स्टेट ऑफ क्लाइमेट इन एशिया, 2024 रिपोर्ट

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा जारी **"स्टेट ऑफ क्लाइमेट इन एशिया, 2024" रिपोर्ट के अनुसार,** वर्ष **2024** में **एशिया वैश्विक औसत** की तुलना में लगभग **दो गुना अधिक तेज़ी** से गर्म हुआ, जिससे यह वर्ष रिकॉर्ड में अब तक का **सबसे गर्म** या **दूसरा सबसे गर्म वर्ष** बन गया।

- **मुख्य निष्कर्ष:**
  - **अभूतपूर्व तापमान वृद्धि: वर्ष 2024 में एशिया का तापमान वर्ष 1991–2020 की औसत सीमा से 1.04°C अधिक दर्ज किया गया, जबकि वर्ष 1961–1990 के मुकाबले तापवृद्धि की दर दोगुनी हो गई।**
  - **हीटवेव: भारत** में अत्यधिक **हीटवेव** के कारण **450 से अधिक लोगों** की मृत्यु हुई। तापमान कई क्षेत्रों में **45 से 50 डिग्री सेल्सियस** तक पहुँच गया। इसके साथ ही, आँधियों और **बिजली गिरने** की घटनाओं ने कुल मिलाकर लगभग **1,300 लोगों** की मृत्यु हुई।
    - **समुद्री हीटवेव** ने लगभग **15 मिलियन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र** को प्रभावित किया, जिसमें विशेष रूप से **उत्तरी हिंद महासागर** तथा **जापान और चीन के निकटवर्ती समुद्री क्षेत्र** शामिल हैं।
  - **उष्णकटिबंधीय चक्रवात: एशिया** में वर्ष 2024 में कुल **29 उष्णकटिबंधीय चक्रवात** आए, जिनमें सबसे घातक चक्रवात यागी था, जिसने **फिलीपींस**, **वियतनाम**, **हॉन्गकॉन्ग**, **मकाऊ**, **चीन**, **लाओस**, **थाईलैंड** और **म्याँमार** को प्रभावित किया।
    - **भारतीय उपमहाद्वीप** चक्रवात रेमल, **फेंगल**, दाना और असना से प्रभावित हुआ।
  - **हिमनदों का निवर्तन: हिमालय**, **पामीर**, **काराकोरम** और हिंदू कुश सहित **उच्च पर्वतीय एशिया** के **24 में से 23 हिमनदों** में द्रव्यमान की कमी दर्ज की गई, और तियान शान स्थित **उरूमकी ग्लेशियर नंबर 1** में वर्ष **1959** के बाद से सबसे अधिक पिघलन दर्ज की गई।
- **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO),** जिसका मुख्यालय **जिनेवा** में स्थित है, एक अंतर-सरकारी संस्था है जिसमें **भारत** सहित **193 सदस्य राष्ट्र और क्षेत्र** शामिल हैं।
  - यह संगठन **अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संगठन (IMO)** से विकसित हुआ है, जिसकी स्थापना **1873 के वियना कॉन्ग्रेस** के बाद की गई थी।

और पढ़ें: वैश्विक जलवायु स्थिति, 2023: WMO

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-climate-in-asia-2024-report